वर्ष :: 34 अंक : 01
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 01 अक्टूबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

यह सब आपकी ही तो प्रेरणा है

- विजय कुमार झा -

आज हमें इस बात की प्रसन्नता हो रही है कि झारखंड की रत्नगर्भा धरती बोकारो से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक 'मिथिला वर्णन' ने 33 वर्षों की अपनी अविरल यात्रा पूरी कर ली है और अब यह अखबार अपनी स्थापना के 34वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पत्रकारिता के प्रति एक जुनून और एक आंदोलन के रूप में वर्ष 1988 में प्रारम्भ हुए इस लघु समाचार-पत्र ने राजनीतिक उथल-पुथल और सामाजिक आंदोलनों के कई दौर देखे और अपने जन्मकाल से लेकर आज तक कई उतार-चढ़ाव व झंझावातों का सामना किया। विपरीत परिस्थितियों और कठिन चुनौतियों को झेलते हुए भी यह अखबार यदि आज प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है, तो यह केवल हमारे शुभचिन्तकों तथा मार्गदर्शकों की प्रेरणा से ही संभव हो सका है, जो डिजिटल माध्यमों से भी हमारे साथ जुड़े रहकर हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं। हमने कोरोनाकाल का कठिन दौर भी देखा, जब देश के बड़े-बड़े अखबार और उनके कई संस्करण बंद हो गये। फिर धीरे-धीरे परिस्थितियां पटरी पर वापस लौटीं, लेकिन इसी क्रम में छोटे-छोटे अखबारों को बंद करने के लिए तरह-तरह के षडयंत्र रचे जा रहे हैं। दरअसल, अखबार निकालना आज एक व्यवसाय और उद्योग बन चुका है। बिना पूंजी के लघु समाचार-पत्रों का अस्तित्व बचाये रखना बहुत ही कठिन है। अखबारी जगत पर बड़े-बड़े पूंजीपति घरानों का कब्जा है। पत्रकारिता जहां पहले राष्ट्रभक्ति और जन-चेतना की जागृति का एक सशक्त माध्यम था, वहीं आज इस विधा में भी बहुत सारी विकृतियां आ चुकी हैं। खासकर, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने प्रिन्ट मीडिया के सामने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। लेकिन, जो विश्वसनीयता प्रिन्ट मीडिया की है, वह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और विजुअल समाचार चैनलों की नहीं रह गई है। फिर भी हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि आरंभिक काल से लेकर आज तक हम अपने दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करने की कोशिश करते आ रहे हैं और हमारा यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। आज समय बदला है, परिस्थितियां भी बदली हैं, परिस्थितियां छोटे अखबारों के अस्तित्व को बचाये रखने के प्रतिकूल हैं। फिर भी 'मिथिला वर्णन' अपने शुभचिंतकों व सुधी पाठकों के संबल के सहारे स्वच्छ और निर्भीक पत्रकारिता के अपने लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में निरन्तर बढ़ता रहेगा। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के हमारे वैदिक और सनातन संदेश को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाने और भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में अपना प्रयास जारी रखेगा। हमारी इस यात्रा में सदैव उत्साहवर्द्धन करने वाले अपने पाठकों व शुभ-चिन्तकों को 'मिथिला वर्णन' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं हमारी इस यात्रा में साथ देने के लिए आपका हृदय से आभार...!

जैसी करनी, वैसी भरनी... नकली शराब के कारोबार को बढ़ावा देना पड़ा महंगा

चर्चा का विषय बना सहायक उत्पाद आयुक्त का निलंबन

विशेष संवाददाता

रांची/बोकारो : किसी ने सच ही कहा है- जैसी करनी, वैसी भरनी। गलत का अंजाम गलत ही होता है। बोकारो में शराब के अवैध कारोबार को कथित तौर पर बढ़ावा देने के आरोपी सहायक उत्पाद आयुक्त अरविन्द कुजूर की निलंबन इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। नकली शराब की बिक्री नहीं रोक पाने और उचित स्पष्टीकरण नहीं देने के कारण सहायक उत्पाद आयुक्त अरविंद कुजूर को निलंबित कर दिया गया है। कुजूर वर्तमान में हजारीबाग में पदस्थापित हैं। इसके पूर्व, जब वह बोकारो में पदस्थापित थे, उस दौरान नकली शराब के कारोबार को प्रोत्साहित करने का आरोप उन पर लगाया गया था। उस दरम्यान बोकारो की कई दुकानों में नकली शराब की बिक्री हो रही थी, लेकिन सहायक उत्पाद आयुक्त कुजूर इस पर लगाम नहीं पाये थे। बहरहाल, कुजूर के निलंबन का आदेश (शेष पेज- 7 पर)

कुपित भए गजराज...

बोकारो थर्मल। तस्वीर बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र स्थित नया बस्ती के समीप की है। हाथियों के झुंड ने पहाड़ियों से नीचे उतरकर बोकारो थर्मल-नेरकी मेन रोड पर सड़क किनारे की गुमटियों को उलट दिया, लोगों के घर तोड़ गिए। बीच सड़क पर उनके आने से आवागमन ठप हो गया। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों के आने के पहले ही सभी हाथी कंजकिरो पहाड़ी की ओर चले गये। इसके पूर्व, बोकारो थर्मल के शहरी क्षेत्रों में आवासीय कॉलोनी में भी खूब तबाही मचाई। **छाया : संजय**

'संकल्प-यात्रा' के बहाने राज्य सरकार पर बरसे बाबूलाल, किया दावा-

अगली सरकार भाजपा की

संवाददाता

बोकारो : 'राज्य में लगातार अवैध बालू का खनन जारी है। लूट की छूट हर जगह मची हुई है। भाजपा की सरकार ने एक रुपए में महिलाओं के नाम जमीन रजिस्ट्री करने की योजना लाई थी, जिसे हेमंत सोरेन की सरकार ने बंद कर दिया है। अभी ईडी को गुमराह करने में लगे हुए हैं। कितने दिनों तक बचकर रह सकते हैं। एक न एक दिन तो उन्हें जेल जाना ही पड़ेगा। आगामी चुनाव में भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी।' यह दावा है पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का। सेक्टर-12बी में संकल्प यात्रा के आयोजित सभा को वह संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र संचालित योजनाओं को हेमंत सोरेन की सरकार रोक रही है। जबकि जन औषधि और आयुष्मान भारत का लाभ लोगों को मिल रहा है। इसके पूर्व, चंदनकियारी में आयोजित संकल्प यात्रा में भी उन्होंने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा।

इस दौरान मौके पर सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जनता को भी गुमराह करने में लगी हुई है। राज्य की जनता देख रही है। आगामी चुनाव में वर्तमान सरकार को जनता उखाड़ फेकेंगी। विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार के कार्यकाल में जितनी भी योजनाएं लाई गई, उसे हेमंत सोरेन की सरकार ने बंद कर दिया है। जबकि सभी योजनाएं लोक कल्याणकारी थी। राज्य की जनता सब देख रही है। चुनाव में इसका जवाब जरूर मिलेगा। इसके पहले 75 पुजारियों ने शंख ध्वनि से बाबूलाल मरांडी का स्वागत किया। सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भरत यादव ने की। संचालन जिला महामंत्री संजय त्यागी और धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह ने किया।

मौके पर कार्यक्रम के प्रमंडलीय संयोजक गणेश मिश्रा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य मुकुल ओझा, रोहितलाल सिंह, आरती राणा, कुमार अमित, दिलीप श्रीवास्तव, लीला देवी, जयदेव राय, अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा, विश्वनाथ दत्ता, विनय आनंद, महेन्द्र राय, धीरज झा, सुनीता देवी, मुकेश राय, रामलाल सोरेन आदि मौजूद रहे। इस क्रम में पूर्व पार्षद मंतोष पाठक सहित विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के समक्ष भाजपा का दामन थामा।

'बेखौफ हो गए अपराधी'

संकल्प यात्रा के पूर्व एक प्रेसवार्ता में बाबूलाल ने कहा कि हेमंत सोरेन ने पुलिस को बालू, कोयला वाले से वसूली करवाने के लिए लगा दिया है। बीजेपी की सरकार में पुलिस से अपराधी खौफ खाते थे, लेकिन आज आप देख रहे हैं कि कैसे हेमंत सरकार में सिर्फ अपराध ही हो रहा है। सरकारी दफ्तरों में बिना पैसों का काम नहीं होता है, क्योंकि कहते हैं कि हम देकर आए हैं, हम लेकर रहेंगे। आपको जहां जाकर शिकायत करनी है, आप जाकर कीजिए। कुल मिलाकर यह संकल्प यात्रा प्रदेश को अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से मुक्त कराने का लिए है। हेमंत है तो हिम्मत है। जब ईडी ने नोटिस भेजा तो रोते-रोते हेमंत सोरेन कोर्ट पहुंच गए। क्या लिखा कि हमारे ऊपर कार्रवाई नहीं की जाए, क्योंकि डर है कि हमें अंदर कर दिया जाएगा। जब आप कोई गड़बड़ नहीं किए हो तो क्या चीज का डर है?

चुनावों में आजसू के साथ जारी रहेगा गठबंधन

बोकारो थर्मल : लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में राज्य में आजसू के साथ चुनावी गठबंधन जारी रहेगा और दोनों मिलकर साथ-साथ चुनाव लड़ेंगे। राज्य में जितने भी विधानसभा के उप चुनाव संपन्न हुए हैं, उसी तर्ज पर ही लड़े गये हैं। उक्त बातें शनिवार को बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के निदेशक भवन में बात करते हुए प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कही। कोडरमा या गिरिडीह से लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल को वे टाल गये।

मुद्दों से जनता को भटका रही सरकार

राज्य में सरना कोड, अस्मिता का सवाल, 1932 का खतियान, भाषा विवाद, बाहरी भगाओ जैसे मुद्दों पर राज्य सरकार सही मायने में कुछ करना चाहती है या सिर्फ बयानबाजी कर रही है, पर पूर्व सीएम ने कहा कि हेमंत सरकार के पास करने को कुछ नहीं है, सरकार अपना काम करना नहीं चाहती है, इसलिए इस प्रकार के विवाद को जन्म देकर राज्य की जनता को मुद्दों से भटकाने का काम करने में लगी रहती है। एक प्रश्न के जवाब में श्री मरांडी ने कहा कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव काफी दूर है। लोग राज्य की सरकार के शासन एवं सत्ता से परेशान हैं। इन्हीं सारी समस्याओं को सुनने तथा केंद्र की योजनाओं एवं प्रधानमंत्री द्वारा किये गये विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने को लेकर भाजपा ने जनता के बीच संकल्प यात्रा के माध्यम से जाने का निर्णय लिया है।

- संपादकीय -

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान जरूरी

देश के वरिष्ठ नागरिक आज घुटन महसूस करने लगे हैं। सरकारी योजनाओं में वरिष्ठ नागरिकों की उपेक्षा से वे आहत हैं। क्योंकि, पूरी तरह स्वस्थ रहने के बाद भी उन्हें मानसिक रूप से अस्वस्थ रखने का सरकारी प्रयास कचोटने लगा है। 70 वर्ष की उम्र के बाद उन्हें मेडिकल इंश्योरेंस के लिए अनफिट माना जा रहा है, बैंकों से वे ईएमआई लोन नहीं ले सकते, उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस नहीं निर्गत किया जाता है, रेलवे या हवाई यात्रा में मिलने वाली छूट जो कोरोना महामारी के काल में खत्म की गई, वह आज तक बहाल नहीं की जा सकी है। बहुत सारी सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से उन्हें वंचित रखा गया है। जबकि, देश को सजाने-संवारने में उनका भी बहुत बड़ा योगदान रहा है। नौकरी-पेशा करते हुए उन्होंने सरकार के खजाने में भारी भरकम टैक्स चुकाये हैं। लेकिन उनकी अनदेखी हो रही है। जबकि, देश के राजनीतिज्ञों (सांसद या विधायकों) को, चाहे वे कितनी भी उम्र के हों, उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्हें रेल और हवाई यात्रा की मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध हैं, यहां तक कि पेंशन सुविधा का लाभ भी वे ले रहे हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों की ओर से ये सवाल अब उठने लगे हैं। केन्द्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के नेता भी यह सवाल उठाने लगे हैं। भाजपा किसान मोर्चा, झारखंड प्रदेश के नेता एवं वरिष्ठ नागरिक संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं को बहाल करने का आग्रह किया है। श्री पांडेय ने उक्त पत्र के माध्यम से यह सवाल भी उठाये हैं कि क्या राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों का योगदान नहीं रहा है? यदि हां तो कई बार राष्ट्रीय आंदोलनों के बाद भी कोरोना काल में रेल किराये में मिलने वाली छूट अभी तक बहाल क्यों नहीं की जा सकी? उक्त पत्र के माध्यम से उन्होंने केन्द्र को आगाह किया है कि उक्त सुविधा समाप्त किये जाने से वरिष्ठ नागरिकों में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस समस्या को सांसद जया बच्चन भी संसद में उठा चुकी हैं, जिसका उल्टा प्रभाव 2024 के लोकसभा चुनाव में पड़ने की संभावना प्रबल हो रही है। उन्होंने अपने सुझाव पर सरकार से ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता बतायी है। इन परिस्थितियों में केन्द्र सरकार, खासकर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश के वरिष्ठ नागरिक भी उपर्युक्त विसंगतियों को दूर करने की अपेक्षा जरूर रखते हैं। सरकार को चाहिए कि स्वास्थ्य जांच के बाद योग्य वरिष्ठ नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत किया जाय। वरिष्ठ नागरिकों के इन सवालों पर केन्द्र सरकार को बिना समय गंवाये विचार करना चाहिए। क्योंकि, वे देश के वरिष्ठ नागरिक हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुद एक वरिष्ठ नागरिक हैं। इसलिए उन्हें व्यक्तिगत अभिरुचि लेकर इन सवालों पर विचार करना चाहिए। वैसे भी हमारे समाज में बुजुर्गों का सम्मान किये जाने की परम्परा सदियों से रही है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बेंगलुरू, मो.- 8618093357

सच्ची घटना पर आधारित एकांकी

पीड़िता की गुहार

'दरिंदों से छूट नाबालिग नग्न अवस्था में, खटखटाती रही सज्जनों का द्वार,
वह मुर्दों की बस्ती थी, किसकी इतनी हस्ती थी कि सुनता पीड़िता की पुकार।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या प्रिन्ट मीडिया, सभी जगह नाबालिग बच्ची की चीखें गूंज रही है। ढ़ाई घंटे तक हर घर का दरवाजा वह खटखटाती रही, गुहार लगाती रही, 'कोई मुझे अपना पुराना उतरन दे दो, ताकि मैं अपना नग्न शरीर ढ़क सकूँ। दो दिन से भूखी हूँ। मुझसे न चला जा रहा, न बोला जा रहा। रसोई की बची-खुची बासी जूठन ही दे दो, ताकि पेट भर सकूँ। मैं घायल हूँ, असहनीय पीड़ा से गुजर रही हूँ, दर्द की एक गोली ही दे दो। मेरे प्राइवेट पार्ट से बहुत खून बह रहा है, कोई मलहम-पट्टी कर दो, बड़ी दया होगी। अरे, अरे ! आपलोग ये क्या कर रहे हैं? मेरा वीडियो मत बनाओ। मैं स्वयं से नग्न नहीं हुई हूँ, चार-पाँच रेपिस्ट ने मेरी यह दुर्दशा की है।'

मेरी प्यारी बच्ची, तू नहीं जानती,तू मुर्दों की गलियों से गुजरी थी, जहाँ लोग नोचना-खसोटना जानते हैं, हाथों से और आँखों से भी। सहायता किस चिड़िया का नाम है, उन्होंने कभी सुना ही नहीं, फिर वे हृदयहीन तेरी मदद कैसे करते? ये वे लोग हैं, जो पड़ोसी के घर में आग लगने पर मयपरिवार हाथ सेकेंगे और अपने घर की चिंगारी देख चीखेंगे कि दुनिया बहुत मतलबी है, 'कोई सहायता को सामने नहीं आता।' माना कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली, तू नाबालिग बालिका है। तेरा घर सतना में है। मानसिक रूप से तू विक्षिप्त है। तेरे दिमाग पर शायद तेरी माँ के न होने का गम है।

बालिके, तू तो किसी एनजीओ के माध्यम से रविवार

की सुबह किसी एग्जाम के लिए मझगवां गई थी। किसके कहने पर ट्रेन पकड़ उज्जैन पहुँच गई। उसी शाम ऑटो वाले तेरी वीभत्स दुर्दशा लिखने बैठ गए। दूसरे दिन तू दो कॉलोनी में ढाई घंटे चक्कर लगाती रही। कृपण नयन सुखों को तू दिखी ही नहीं। बेटी, तू बड़ी बहादुर है। भयंकर कष्ट सहने के बाद भी भूखी-प्यासी आठ किलोमीटर पैदल चल बड़नगर रोड पर दांडी आश्रम के पास जा पहुंची। वहाँ का पुजारी बड़ा नेक निकला, जिसने अपना वस्त्र उतार तेरे तन को झाँपा और थाने जा तेरी दुर्दशा की खबर दी। वैसे तेरे चाचा ने रविवार की शाम को ही तेरी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। तेरी हालत इतनी गंभीर थी कि बुधवार के दिन तुझे इंदौर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहाँ डॉक्टरों को तेरी सर्जरी करनी पड़ी।

इस जघन्य दुर्दशा से राजनीति करने वालों को मसाला मिल गया है। चुनावी प्रचार में मुद्दा उछाल वोटरों को अपनी ओर खींचने में लोग एंड़ी-चोटी एक करेंगे। तेरे साथ दुष्कर्म एक बार हुआ, अब वे लोग बार-बार करेंगे।

(लेखिका वरिष्ठ समीक्षक व विश्लेषक हैं।)

क्या विचलित होगा भारत?

ग्रुप- 20 के सम्मेलन से,
पहुँच के अपने देश।
दिया है अपने वक्तव्यों से,
भारत देश को क्लेश।।

'चोर बोले जोर से',
चरितार्थ किया है इसको।
आरोप न साबित कर पाएगा,
ये भी पता है इसको।।

नौ सितंबर अमरीका की,
घटना होगी याद।
पाकिस्तान को देख रहा,
होगा होते बर्बाद।।

कहते हैं सब, देश से ज्यादा,
अपने स्वार्थ का ध्यान।
अपनी कुर्सी की खातिर ही,
ऐसा दिया बयान।।

'जैसे को तैसा' राह पकड़,
भारत ने दिखा दिया है।
करके कार्रवाइयाँ कुछ,
निज तेवर दिखा दिया है।।

जिन्न निकलता ही बोतल से,
नहीं मानता बात।
सबसे पहले अपने आका,
को करता बर्बाद।।

ऐसा आरोप लगाया है जो,
है ही बे-सिर-पैर।
लेने को आतुर लगता है,
भारत देश सै बैर।।

भारत की उत्कृष्ट नीति का,
करता जग सम्मान।
नहीं अड़ाते टाँग कहीं हम,
सबको देते मान।।

सीढ़ी साँप का ये बच्चों का,
खेल नहीं है लूडो।
कब समझोगे चिंगारी से,
खेल रहे हो टूडो?

भारत देश के गद्दारों को,
देता रहा पनाह।
अस्थिर करने का खुद ही,
करता रहा गुनाह।।

बड़े-बड़े झंझावातों को,
झेल चुका है भारत।
छोटे-मोटे झोकों से,
क्या विचलित होगा भारत?

सुधीर कुमार झा, कोलकाता

भुखमरी के विरुद्ध वेदांता ने उठाए ठोस कदम वॉकाथन से जन-जागरुकता का दिया संदेश

संवाददाता
बोकारो :
बोकारो। भुखमरी के खिलाफ वेदांता ईएसएल की ओर से ठोस कदम बढ़ाए गए हैं। वेदांता ईएसएल की सीएसआर टीम और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन्स टीम ने सीएसआर वॉकथॉन का सफल आयोजन किया। इसमें वेदांता आर्चरी अकादमी और ईएसएल स्किल स्कूल के बच्चे, प्रोजेक्ट जीविका की महिलाएं और ईएसएल के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। यह कार्यक्रम आगामी 15 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के समर्थन में आयोजित हुआ, जो रन फॉर जीरो हंगर जैसे नेक कार्यक्रम को लेकर जागरूकता बढ़ाने का उद्देश्य से आयोजित है।

खाद्य सुरक्षित विश्व की ओर अग्रसर होने का प्रण

भुखमरी को मिटाने के समर्थन में आयोजित इस सीएसआर वॉकथॉन में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लेकर एक पोषित और खाद्य सुरक्षित विश्व की ओर अग्रसर होने का प्रण भी लिया। वॉकाथॉन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने अपने हर एक किलोमीटर के योगदान के जरिये भारत भर के नंद घरों के सभी बच्चों के लिए एक वक्त के भोजन में योगदान भी किया। सीएसआर के सभी प्रतिभागियों के सहयोग की सराहना करते हुए राकेश मिश्रा (डेप्युटी हेड, सीएसआर) ने कहा कि ईएसएल सीएसआर वॉकथॉन ने हमें रन फॉर जीरो हंगर के समर्थन में एकजुट होकर भुखमरी को मिटाने का एक अवसर प्रदान किया है। उन्होंने भुखमरी मिटाने को समर्पित इस उद्देश्य और कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी लाभार्थियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

इधर, रेबीज-मुक्त भविष्य निर्माण की अनूठी पहल

कुत्तों के काटने पर रेबीज का डर नहीं, एक माह में 105 स्ट्रीट डॉग्स को लगे टीके

पशु कल्याण और सामुदायिक भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने टाको और होप फाउंडेशन के साथ साझेदारी में अपनी सीएसआर परिचालन गांवों में रहने वाले कुत्तों से आबादी की सुरक्षा के लक्ष्य के साथ हाल ही में एक महीने तक चलने वाले एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान का आयोजन किया। यह अभियान पूरे महीने चलाया गया। क्षेत्र में 105 से अधिक कुत्तों को जीवन रक्षक रेबीज के टीके लगाए गए। इसके अतिरिक्त प्रत्येक टीका लगाए गए कुत्ते को एक परावर्तक कॉलर पहनाया गया, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, खासकर रात के समय में।

रेबीज दुनिया के कई हिस्सों में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है और इस तरह के टीकाकरण अभियान इसके प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये आवश्यक टीकाकरण प्रदान करके ईएसएल सीएसआर टीम और उसके सहयोगी न केवल कुत्तों की आबादी की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि उन समुदायों के समग्र स्वास्थ्य और सुरक्षा में भी योगदान दे रहे हैं, जिनकी वे सेवा करते हैं।

ईएसएल, टाको और होप फाउंडेशन के बीच सहयोग समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में टीम वर्क और साझा मूल्यों की शक्ति का उदाहरण देता है, जिसने पशु कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों में योगदान दिया है। यह आयोजन स्थानीय समुदाय के सदस्यों के समर्थन और भागीदारी के माध्यम से भी संभव हुआ, जो अपने पालतू जानवरों को भी टीकाकरण के लिए लाए थे।

ग्रामगाड़ी योजना उपायुक्त ने पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का दिया निर्देश

सुदूरवर्ती इलाकों की सड़कों पर भी सरपट दौड़ेंगी गाड़ियां, जिले में 37 मार्ग अनुशंसित

संवाददाता
बोकारो : मुख्यमंत्री ग्रामगाड़ी योजना के तहत गांव से प्रखंड जिला मुख्यालय एवं शहर तक आवागमन की सुविधा बहाल करने को लेकर उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने जिले के सभी नौ प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारियों के साथ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक की। मौके पर अपर समाहर्ता मेनका, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सुदूरवर्ती इलाकों से परिचालन को और भी सुदृढ़ किया जा रहा है। झारखंड मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत गांव से प्रखंड जिला मुख्यालय एवं शहर तक आवागमन की सुविधा बहाल करने को लेकर उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक की।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना का लाभ अंतर्गत गांव के किसान, मजदूर, छात्र - छात्राओं को शहर तक आने में एवं वापस जाने में सुविधा होगी। साथ ही मरीजों के लिए अस्पताल तक पहुंचाना सुलभ होगा।

पेटरवार में बनाए जाएंगे सर्वाधिक 6 ग्रामीण मार्ग

बैठक में परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के तहत प्रखंडस्तरीय समिति द्वारा कुल 37 ग्रामीण मार्ग को अनुशंसित किया गया है, जिसमें चास प्रखंड में 02, बेरमो प्रखंड में 03, पेटरवार प्रखंड में 06, नावाडीह प्रखंड में 04, चंद्रपुरा प्रखंड में 05, कसमार प्रखंड में 05, जरीडीह प्रखंड में 04, गोमिया प्रखंड में 05 एवं चंदनकियारी प्रखंड में 03 हैं। साथ ही जिला स्तरीय समिति के बैठक में कुल 08 मार्ग प्रस्तावित किया गया है।

249 पंचायतों में 42 से 22 सीटों वाली दौड़ेंगी बसें

इस योजना के तहत हर दिन जिले के 249 पंचायत के अंतर्गत ग्रामीण मार्गों से शहर मुख्यालय तक 22 से 42 सीटर बस से चलेगी। यह बसे हर दिन अलग-अलग रूट मिलकर रोजाना 983 किलोमीटर तय करेगी। सभी प्रखंडों से अपनी-अपनी पंचायत का रूट तय कर इसकी सूची परिवहन विभाग को सुपुर्द कर दी गई है। बैठक के दौरान जिला परिवहन कार्यालय के सभी कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड के सर्वाधिक जनप्रिय हिन्दी साप्ताहिक 'मिथिला वर्णन' के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

सरदार संतोष सिंह
उपाध्यक्ष
झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी
(अल्पसंख्यक विभाग)

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
बोकारो इस्पात संयंत्र
बोकारो स्टील सिटी - 827001 झारखण्ड, इण्डिया

बाढ़ की चेतावनी, वर्ष-2023

वर्षा ऋतु में यानि 20 जुलाई 2023 से 31 अक्टूबर 2023 के दौरान गरगा डैम में पानी का स्तर अधिक हो जाने के कारण डैम का गेट, अर्थात् बांध का फाटक आवश्यकतानुसार किसी भी समय खोला जा सकता है। डैम के अन्दर पानी अधिक हो जाने से फाटक खोलना तकनीकी कारणों से अनिवार्य हो जाता है। बांध का फाटक खुलने पर गरगा नदी में पानी का स्तर काफी ऊंचा उठ जाता है एवं पानी का बहाव भी तेज हो जाता है। ऐसा भी होता है कि पानी पुलिया व कॉजवे के ऊपर से होकर गुजरने लगता है।

अतः गरगा से लेकर सिवनडीह, चास, सेक्टर-11 तक नदी के किनारे रहने वाले या नदी पार करने वालों को यह चेतावनी दी जाती है कि पूरे वर्षा ऋतु के दरम्यान नदी को पूरी सावधानी से पार करें तथा तेज धारा से अपने को एवं अपने पशुओं को सुरक्षित रखें।

महाप्रबन्धक
(टी.इ.-जलापूर्ति)/नगर प्रशासन

पंजीकृत कार्यालयः इस्पात भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

अनिश्चितता व अस्थिरता का सामना करने में सेल सक्षम : अमरेंदु प्रकाश

वार्षिक आम बैठक में चेयरमैन ने दिया क्षमता का अधिकतम उपयोग करने का संदेश

संवाददाता

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नई दिल्ली के लोदी रोड स्थित कंपनी मुख्यालय में अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की। सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने शेयरधारकों को इस बैठक में वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबोधित किया। कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए सेल अध्यक्ष श्री प्रकाश ने भविष्य के बारे में बताते हुए कहा कि वे कंपनी के बारे में बहुत आश्वस्त और उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि सेल की अंतर्निहित ताकत और हाल के दिनों में कंपनी के मुख्य क्षेत्रों पर काम करने के प्रयास ऐसे कारक हैं, जिन्होंने उन्हें आशावाद और विश्वास दिया है कि सेल इस्पात उद्योग की अनिश्चितता और अस्थिरता का सामना कर सकता है।

उत्पादन का बना वार्षिक कीर्तिमान

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी के प्रदर्शन को संक्षेप में बताते हुए चेयरमैन श्री प्रकाश ने बताया कि सेल ने 19.4 मिलियन टन (एमटी) हॉट मेटल और 18.3 एमटी क्रूड स्टील का उत्पादन करके रिकॉर्ड वार्षिक उत्पादन हासिल किया। साथ ही कंपनी के सभी एकीकृत स्टील प्लांटों ने अपना सर्वश्रेष्ठ उत्पादन भी हासिल किया, जिसके कारणवश 94% क्रूड स्टील क्षमता उपयोग हुआ, जो अब तक का सबसे अच्छा क्रूड स्टील क्षमता उपयोग है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सेल ने लगातार दूसरे वर्ष 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार पार किया। उन्होंने कहा कि बाजार में अस्थिरता से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने में मदद, परिचालन प्रथाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने और प्रोडक्ट मिक्स को ऑप्टिमाइज करने के लिए ग्राहकों की मांग को री-अलाइन करने से मिली।

रणनीतिक हस्तक्षेप जरूरी

क्षमता का अधिकतम उपयोग करना और सेल के ग्राहकों को सर्वोत्तम मूल्य प्रदान करना - कंपनी के इन दो फोकस क्षेत्रों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इनके लिए रणनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक है, जिसमे उत्पादन में तेजी लाने, कच्चे माल को सुरक्षित करने, इनपुट की गुणवत्ता में सुधार करने, संसाधन जुटाने में दीर्घावधि में व्यावसायिक जोखिमों को कम करने, ग्राहक अनुभव बेहतर करने, डीकार्बोनाईजेशन और सस्टेनेबिलिटी इनिशिएटिव्स पर ध्यान केंद्रित करना आदि शामिल है।

इस्पात जगत में बदलावों के अनुरूप लाभार्जकता की तैयारी

सेल अध्यक्ष के संबोधन में सेल के सस्टेनेबिलिटी इनिशिएटिव्स, उत्पाद विकास, डिजिटल हस्तक्षेप, भविष्य की योजनाएं और कंपनी द्वारा अपनाई गई नैतिक व्यावसायिक प्रथाएं भी शामिल थीं। भारतीय इस्पात उद्योग की विकास संभावनाओं पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस्पात उद्योग में हो रहे महत्वपूर्ण बदलावों से सेल पूरी तरह से अवगत है और कंपनी अपने प्रतिस्पर्धात्मक लाभ (कॉम्पिटिटिव एडवांटेज) को मजबूत करने और अपने हितधारकों के लिए मूल्य बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

आयोजन डीवीसी चंद्रपुरा में हिंदी पखवाड़ा का समापन, प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

अपनी भाषा-संस्कृति से ही संपूर्ण विकास संभव : ठाकुर

पुरस्कार वितरण संग हिंदी पखवाड़ा संपन्न

संवाददाता

बोकारो : दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन एवं राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम संपन्न हो गया। सीटीपीएस की इकाई 7-8 के सम्मेलन कक्ष में आयोजित समारोह में पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर, वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन) रामप्रवेश शाह, उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास, उपमहाप्रबंधक डॉ. केपी सिंह आदि अधिकारियों ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने कहा कि हिंदी भाषा हमारे राष्ट्र का गौरव है। इसे जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। हिंदी भाषा को अपने आचरण में शामिल कर हम राष्ट्र को आर्थिक आजादी दिलाने में कामयाब होंगे। उन्होंने कहा कि भारत को राजनीतिक आजादी मिली है। अब हिंदी अपना कर हम आर्थिक आजादी भी लेंगे। इसी विश्वास के साथ हम सभी को हिंदी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषी लोगों के ऊपर हिंदी भाषा को प्रचार प्रसार करने का सबसे बड़ा दायित्व है। हम अपनी भाषा-संस्कृति के बिना संपूर्ण विकास की यात्रा सफल नहीं कर सकते।

वरिष्ठ महाप्रबंधक (परिचालन) श्री शाह ने कहा कि विश्व के कई विकसित राष्ट्र अपनी भाषा और संस्कृति को अपनाकर काफी आगे बढ़े हैं। हम सभी को यह विश्वास जगाना होगा कि भारतवर्ष में भी हिंदी को अपना कर हम विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आ सकेंगे। समारोह में निर्णायक मंडली के सदस्य पूनम कुमारी, रंजीत कुमार निराला के अलावा किरण श्रीवास्तव, लक्ष्मी नारायण साहू, अनिमेष गिरि, रामजी रजक, कार्तिक कुमार महतो, पिंटू कुमार, मोहम्मद शाहिद इमाम, रविरंजन सिंह, जयंत सरकार, वसंत कुमार महापात्रा आदि प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन रवि सिन्हा ने किया।

बोकारो थर्मल : राजभाषा कार्यान्वयन उपसमिति डीवीसी बोकारो थर्मल के तत्वावधान में डीवीसी पावर प्लांट स्थित तकनीकी भवन के सभागार में हिंदी पखवाड़ा का समापन सह पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। परियोजना प्रधान नंद किशोर चौधरी ने राजभाषा के क्षेत्र में और उत्कृष्टता के साथ काम करने का संदेश दिया। समारोह को वरीय महाप्रबंधक (ओएंडएम) एसएन प्रसाद, महाप्रबंधक (विद्युत) एस भद्रा, महाप्रबंधक (यांत्रिक) एस भटटाचार्य एवं उपमहाप्रबंधक बीजी होलकर ने भी संबोधित किया। समारोह में पूरे पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हफ्ते की हलचल

डीपीएस बोकारो में योग-आधारित प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो : डीपीएस बोकारो में बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन की ओर से प्रथम जिलास्तरीय योग आधारित क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालयों एवं अन्य स्थानों से आए लगभग 150 प्रतिभागियों ने पारंपरिक योगा एवं संगीत की धुन पर आधारित कलात्मक योगा में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। छह समूहों में हुई इस प्रतियोगिता में समेकित प्रदर्शन के आधार पर मेजबान डीपीएस बोकारो की टीम को ओवरऑल चैम्पियनशिप का खिताब मिला। जीजीपीएस, सेक्टर- 5 की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता का उद्घाटन जाने-माने अंतरराष्ट्रीय बेंच प्रेस पावरलिफ्टर इन्द्रजीत सिंह, डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं एसोसिएशन के बोकारो अध्यक्ष डॉ. ए एस गंगवार एवं अन्य अभ्यागतों के साथ संयुक्त रूप से किया। जबकि, समापन समारोह के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल प्रशिक्षक जयदीप सरकार थे।

तांतरी खुटरी में सेविकाओं ने मनाया पोषण माह

तुपकाडीह : जरीडीह प्रखंड के तांतरी उतरी, दक्षिणी व खुटरी पंचायत की आंगनवाड़ी सेविका सहायिका ने पोषण माह मनाया, जिसमें दर्जनों लाभुक शामिल हुईं। कार्यक्रम में सेविकाओं ने रंगोली बनाकर सही पोषण की जानकारी दी तथा घर में मिलने वाले दैनिक जरूरत में अनाज, साग-सब्जी, फल-फूल का उपयोग कर सही पोषण पा सकते है। कार्यक्रम में छह माह के बच्चों की मुंहजुठ्ठी एवं गर्भवती महिला की गोद भराई की गई। विभाग से आई सुपरवाइजर लक्ष्मी कुमारी, आशा कुमारी की मौजूदगी में सेविकाओं ने लाभुकों को साग-सब्जी व पोषण युक्त खान-पान से शारीरिक तथा मानसिक विकास के बारे में बताया। मौके पर गायत्री देवी, रेणु कुमार, श्यामा देवी, अनिता, आशा, सुनीता, संध्या, नुनीवाला, ममता, जहांआरा, राजकुमारी देवी, साधना देवी, कौशल्या, मंजू देवी, सुम्मी मुर्मू, शांति देवी, सावित्री देवी, संगीता देवी, प्रमिला देवी के साथ सहिया प्रमिला देवी, मीना समेत वार्ड सदस्य मौजूद रहे।

ज्ञान-विज्ञान मेले में बच्चों ने दिखाई सृजनात्मक प्रतिभा

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में 47वां वार्षिक ज्ञान-विज्ञान मेला आयोजित किया गया। इसमें कुल 20 स्टॉल में 450 से अधिक छात्रों ने प्रकृति एवं तकनीकी विषय पर अपनी वैज्ञानिक सोच पर आधारित सृजन क्षमता को प्रदर्शित किया। इस वर्ष की थीम थी- हार्मनी विद नेचर फॉर वेल बिइंग। इसमें बच्चों ने प्रकृति संरक्षण, इसका समयक उपयोग तथा भविष्य की तकनीकी परंपरा का उपयोग एवं उससे आर्थिक लाभ प्रकृति का संरक्षण विषयों में तकनीकी एवं मॉडल के माध्यम से अपनी सृजनता का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि अमिताभ श्रीवास्तव (अधिशासी निदेशक, बोकारो इस्पात संयंत्र) ने कहा कि आधुनिकता के साथ-साथ अपनी परंपरा को भरपूर जिएं, इसका सदुपयोग करें, तभी एक संतुलित एवं विकसित राष्ट्रीय बन पाएगा। मौके पर स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती (आचार्या चिन्मय मिशन), विश्वरूप मुखोपाध्याय (अध्यक्ष), महेश त्रिपाठी (सचिव), आरएन मल्लिक (कोषाध्यक्ष), सूरज शर्मा (प्राचार्य) आदि मौजूद रहे।

बोकारो स्टील से सेवानिवृत कर्मचारियों को विदाई

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट से सितम्बर 2023 माह में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन विकास विभाग के मुख्य ऑडिटोरियम में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) बिपिन कुमार सरतापे शामिल थे। आरम्भ में सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) डॉ नंदा प्रियदर्शिनी ने आगंतुकों का स्वागत किया एवं सेवानिवृत हो रहे कर्मियों का जीवनवृत्त प्रस्तुत करते हुए उन्हें अंतिम निपटारा की जानकारी दी। मुख्य महाप्रबंधक श्री सरतापे ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनकी निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किये। सितम्बर 2023 माह में बीएसएल से कुल 03 अधिशासी तथा 34 अनधिशासी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ नंदा प्रियदर्शिनी ने किया।

पांच महीने में शुरू होगा मुजफ्फरपुर और रक्सौल के हवाई अड्डे का काम !

- मिथिलांचल के विकास में मील का पत्थर साबित होगी परियोजना

- 'रामायण सर्किट' से जुड़ेंगे ऐतिहासिक तीर्थ-स्थल, हेलीकॉप्टर के साथ-साथ 8-10 सीटर विमान भी उड़ेंगे

- एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग व पायलट कोर्स की भी होगी पढ़ाई

विशेष संवाददाता

मुजफ्फरपुर : हवाई सेवाओं के जरिए मिथिलांचल में मुजफ्फरपुर और रक्सौल के हवाई अड्डे विकास में मील का पत्थर साबित होने जा रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा और सरकार ने समय पर वांछनीय कार्य संपादित कर दिए तो मार्च 2024 से पहले ही इसका काम शुरू हो सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन दोनों हवाई अड्डे के चालू होने से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग साढ़े पांच हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार इस योजना के तहत मिथिलांचल के ऐतिहासिक तीर्थ-स्थलों को रामायण सर्किट से जोड़ने की योजना पर काम किया जाएगा। बाबा धाम (देवघर), पुनौरा धाम, जानकी मंदिर, काठमांडू आदि जगहों के लिए हेलीकॉप्टर तथा एयरपोर्ट से आवश्यक स्थलों पर उड़ान 5.0 योजना के तहत 8 से 10 सीटर विमान उड़ाए जाने की भी योजना है। इस योजना के साकार होने से मिथिलांचल में एकमात्र दरभंगा हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक के बोझ भी कम होने का अनुमान है।

उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर और रक्सौल हवाई अड्डों से व्यावसायिक उड़ान शुरू होने का इंतजार लोग दशकों से कर रहे हैं, लेकिन पहली बार विंग कमांडर अश्विन ठाकरे, कैप्टन संजय मिश्रा एवं उनकी टीम के नेतृत्व में इस परियोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। पिछले महीने ही अगस्त में सरकार ने इसे लीज पर दिया है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट कर्मियों, उपकरणों व यात्रियों की सुरक्षा-व्यवस्था, चहारदीवारी-निर्माण, रनवे की री-कारपेटिंग जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य संपादित करने हैं। पताही और रक्सौल दोनों हवाई अड्डे पर आधारभूत संरचना खड़ा करने से पहले दोनों जगहों पर केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी। इन हवाई अड्डों से न केवल उड़ान सेवाएं शुरू हो सकेंगी, बल्कि मेंटेनेंस, एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग, पायलट ट्रेनिंग जैसे कोर्स की पढ़ाई भी शुरू कराई जा सकेगी।

स्थानीय प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों ने इस संबंध में स्थानीय प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। न्यायालयीन आदेश के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से हवाई सेवाएं शुरू किए जाने को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है। सूत्रों के अनुसार एएआई की ओर से एयरपोर्ट डायरेक्टर ए. प्रकाश ने 13 जून, 2023 को ही मुजफ्फरपुर के डीएम को एक पत्र के माध्यम से इस बारे में सूचित किया गया था। एएआई ने प्रशासन को चहारदीवारी निर्माण और रन-वे की मरम्मत कराने को कहा था। यह भी कहा गया था कि एएआई बाद में उसका भुगतान कर देगी, परंतु महीने बीतने के बावजूद इस दिशा में कोई भी ठोस कदम प्रशासन की ओर से नहीं उठाया जा सका है। यह शिथिलता योजना के ससमय धरातल पर उतरने में परेशानी का कारण बन सकती है।

चार साल पहले पीएम मोदी ने की थी घोषणा

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी जनसभा के दौरान मुजफ्फरपुर के वर्षों से बंद पड़े पताही हवाई अड्डा को जल्द चालू करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में जल्द ही हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाई सफर कर पाएंगे। एयरपोर्ट अथॉरिटी की टीम ने हाल ही में इसका निरीक्षण किया था तथा कार्य-योजनाओं पर चर्चा की थी। इसके बाद ऐसा माना जा रहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले मुजफ्फरपुर के बंद पड़े पताही हवाई अड्डे से फ्लाइट की उड़ान का सपना साकार हो सकता है। इसे प्राथमिकता के तौर पर शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कंपनी के साथ मंत्रालय का अनुबंध अगस्त महीने में ही पूरा हो गया और इसके साथ ही दोनों हवाई अड्डे कंपनी को सौंप दिए गए हैं। दोनों एयरपोर्ट से विमान सेवा की शुरूआत एक साथ करने का निर्णय मंत्रालय ने लिया है।

भव्य कवि सम्मेलन के साथ बहुराष्ट्रीय पत्रिका 'प्रज्ञान विश्वम' का लोकार्पण

नवोदित साहित्यकारों के लिए पत्र-पत्रिकाएं प्रशिक्षणशाला : डॉ. सुलभ

संवाददाता

पटना : अखिल भारतीय सर्वभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में नगर के एग्जीबिशन रोड स्थित आध्यात्मिक सत्संग समिति के सभागार में विश्व स्तरीय पत्रिका 'प्रज्ञान विश्वम' का लोकार्पण हुआ। पटना के वरिष्ठ साहित्यकार डाक्टर रत्नेश्वर सिंह के व्यक्तित्व कृतित्व पर केंद्रित पत्रिका के इस अंक का लोकार्पण बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने किया। अपने उद्गार में डा सुलभ ने कहा कि कला, संगीत और साहित्य की भांति पत्र-पत्रिकाओं का भी समाज पर गहरा प्रभाव होता है। साहित्यिक पत्रिकाएं नवोदित साहित्यकारों के लिए एक प्रशिक्षण-शाला भी होती हैं। इससे नवोदित कवियों को मंच और अवसर भी प्राप्त होता है। यह बिहार के लिए गौरव का विषय है कि पत्रिका का यह अंक पटना के एक ख्यातिनाम कवि को अर्पित है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए, जर्मनी के अति विशिष्ट 'मैक्स मूलर सम्मान' से अलंकृत एवं प्रज्ञान विश्वम के प्रधान संपादक प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव ने कहा कि समाज को संस्कारित करने वाली भारत की राष्ट्रीय पत्रिकाएं विलोपित हो गयी हैं। 'प्रज्ञान विश्वम' इस अभाव की पूर्ति के साथ ही पूरे विश्व में हिन्दी को स्थापित करने की चेष्टा है।

समारोह के मुख्य अतिथि और दूरदर्शन, बिहार के कार्यक्रम-प्रमुख डॉ. राजकुमार नाहर ने कहा कि प्रज्ञान विश्वम के मुख्य पृष्ठ पर बिहार के एक कवि को पाकर गौरव की अनुभूति हो रही है। इस अवसर पर एक भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश से चर्चित कवयित्री मधु मिश्रा, मध्य प्रदेश से शकुंतला तोमर तथा हरियाणा से राजेश प्रभाकर के

साथ ही साथ बिहार के प्रतिष्ठित रचनाकारों आरपी घायल, ऐहसान शाम, धर्मेन्द्र सिंह तोमर, मधुरानी लाल, डा अमरकान्त, अमित मिश्र, सतीश मापतपुरी ने भी अपनी रचनाओं का पाठ किया। समारोह में अतिथि रचनाकारों को संस्था द्वारा 'संस्कृति समन्वय सम्मान' से सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कवि सिद्धेश्वर, विद्यापति चौधरी, कृष्ण रंजन सिंह आदि प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

झारखंड के डॉ. हाजरा अब 'भारत के गौरव' भी

संवाददाता

रांची : रांची के प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ डॉ राजेंद्र कुमार हाजरा की उपलब्धियों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। होटल पार्क रेजिस, गोवा में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान सूचना एवं संचार मंत्री, गोवा सरकार की उपस्थिति में फिल्म अभिनेत्री जूही चावला ने द मोस्ट एडमायर्ड एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट ऑफ द ईयर 2023 प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान बड़े-बड़े कॉरपोरेट जगत के लोगों के बीच स्पाइन के रोगियों की बिना सर्जरी के चिकित्सा के लिए दिया गया है। ज्ञात हो डॉ. हाजरा को स्पाइन चिकित्सा के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है।

स्कूली बच्चों ने निकाली स्वच्छता रैली

नानपुर (सीतामढ़ी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर चल रहे स्वच्छता अभियान के तहत मिथिलांचल में भी जगह-जगह स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसी क्रम में सीतामढ़ी जिले के नानपुर प्रखंड अंतर्गत कोइली ग्राम स्थित 'संस्कृति द स्कूल' के बच्चों ने स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने स्वच्छता रैली निकाली और प्रखंड कार्यालय तक जाकर जगह-जगह साफ सफाई की। कार्यक्रम में स्कूल के निदेशक विकास पराशर, प्राचार्य एन सी वर्मा भी शामिल थे।

पितरों के प्रति कृतज्ञता-अर्पण का अवसर है श्राद्ध पक्ष

श्राद्ध पक्ष हिन्दू धर्म का एक अत्यंत ही सुरभित पुष्प है। श्राद्ध पक्ष में हमें जीवन प्रदान करने वाले हमारे वंशजों के प्रति कृतज्ञता की भावना स्पष्ट परिलक्षित होती है। हिन्दू धर्म में केवल जीवित माता-पिता की ही नहीं, अपितु देव गमन हो गए हमारे परिवार जनों के प्रति भी श्रद्धा अर्पित करने का महत्व है। मरणोत्तर क्रियाओं-संस्कारों का वर्णन हमारे शास्त्रों-पुराणों में आता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है श्राद्ध।

श्राद्ध की महिमा का वर्णन विष्णु, वायु, वराह, मत्स्य आदि पुराणों एवं महाभारत, रामायण के शास्त्रों में आया है। श्राद्ध पक्ष पितृ-ऋण से उऋण होने का काल है। श्राद्ध-क्रिया द्वारा पितृ-ऋण से मुक्त हुआ जाता है। सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन हमारे पितृ यमलोक से अपना निवास छोड़कर सूक्ष्म रूप से मृत्यु लोक में अपने वंशजों के निवास स्थान में रहते हैं। अतः उस दिन उनके लिए विभिन्न श्राद्ध करने से वे तृप्त होते हैं।

महाभारत के युद्ध में दुर्योधन का विश्वासपात्र मित्र कर्ण देह छोड़कर ऊर्ध्वलोक में गया और वीरोचित गति को प्राप्त हुआ। मृत्यु लोक में वह दान करने के लिए प्रसिद्ध था। उसका पुण्य कई गुना बढ़ चुका था और दान स्वर्ण, रजत के ढेर के रूप में उसके सामने आया। कर्ण ने धन का दान तो किया था, किंतु अन्न-दान की उपेक्षा की थी। अतः उसे धन तो बहुत मिला, किंतु क्षुधा तृप्ति की कोई सामग्री उसे नहीं दी गई। कर्ण ने यमराज से प्रार्थना की तो यमराज ने उसे 15 दिनों के लिए पृथ्वी पर जाने की सहमति दे दी। पृथ्वी पर आकर पहले उसने अन्न दान किया। अन्नदान की जो उपेक्षा की थी, उसका बदला चुकाने के लिए 15 दिन तक साधु-संतों, गरीबों, ब्राह्मणों को अन्न, जल से तृप्त किया और श्राद्ध विधि भी की।

जब वह ऊर्ध्वलोक में लौटा, तब उसे सभी प्रकार की खाद्य सामग्रियां ससम्मान दी गईं। धर्मराज यम ने वरदान दिया कि इस समय जो मृत आत्माओं के निमित्त जल आदि अर्पित करेगा, उसकी अंजलि मृत आत्मा जहां भी होगी, वहां तक अवश्य पहुंचेगी। जो निःसंतान ही चल बसे हैं, उन मृत आत्माओं के लिए भी यदि कोई व्यक्ति इन दिनों श्राद्ध, तर्पण करेगा, अथवा जल अंजलि देगा तो वह भी उन तक पहुंचेगी। जिनकी मरण तिथि ज्ञात न हो, उनके लिए भी इस अवधि के दौरान दी गई अंजलि पहुंचती है।

जिस तिथि को श्राद्ध करना हो, उस तिथि पर विशेष श्रद्धा पूर्वक स्मरण, जप, ध्यान आदि करके अंतःकरण पवित्र रखना चाहिए। जिनका श्राद्ध किया जाए, उन माता-पिता, पति-पत्नी, संबंधी आदि का स्मरण करके उन्हें याद दिलाएं कि आप देह नहीं हो, आपकी देह तो समाप्त हो चुकी आप विद्यमान हो, आप आत्मा हो..., शाश्वत हो..., चैतन्य हो...। अपने शाश्वत रूप को निहार कर, हे पितृ आत्माओं! आप भी परमात्मा मय हो जाओ।

हे पितृ आत्माओं! आपको हमारा प्रणाम है। हम भी नश्वर देह के मोह से सावधान होकर अपने शाश्वत, परमात्म-स्वभाव में जल्दी जागें..., परमात्मा एवं परमात्म-प्राप्त महापुरुषों के आशीर्वाद आप हम पर बरसाते रहें।

सूक्ष्म जगत के लोगों को हमारी श्रद्धा और श्रद्धा से दी गई वस्तु से तृप्ति का एहसास होता है। बदले में वे हमें मदद करते हैं, प्रेरणा देते हैं, प्रकाश देते हैं, आनंद और शांति प्रदान करते हैं।

शास्त्रों के अनुसार जो श्रद्धा से दिया जाए, उसे श्राद्ध कहते हैं। है, किंतु श्रद्धा के साथ मंत्र जप से ही श्राद्ध संपन्न हो सकता है। जीवात्मा का अगला जीवन पिछले संस्कारों से बनता है। अतः श्राद्ध करके यह भावना की जाती है कि उसका अगला जीवन अच्छा हो। जिन पितरों के प्रति हम कृतज्ञता पूर्वक श्राद्ध करते हैं, वे हमारी सहायता करते हैं।

'वायु पुराण' में वर्णन है कि जो मनुष्य श्रद्धा के साथ श्राद्ध कर्म करेंगे, उन्हें पितृ गण सर्वदा पुष्टि एवं संतति देंगे। श्राद्ध कर्म में अपने प्रपितामह तक के नाम एवं गोत्र का उच्चारण कर जिन पितरों को कुछ दे दिया जाएगा, वे पितृगण उस श्राद्ध-दान से अति संतुष्ट होकर देने वाले की संततियों को संतुष्ट रखेंगे, शुभ आशीष तथा विशेष सहाय देंगे। हे ऋषियों! उन्हीं पितरों की कृपा से दान, अध्ययन, तपस्या आदि सबसे सिद्धि प्राप्त होती है।

हमारे पूर्वजों ने अर्थात माता-पिता, दादा-दादी आदि ने क्या-क्या कार्य किए, इसका लेखा-जोखा और निर्णय करने का अधिकार हमें नहीं है। हमारे पूर्वज हमारे लिए धन-संपदा छोड़कर गए, अथवा कर्ज छोड़कर गए, इस आधार पर भी उनका लेखा-जोखा नहीं किया जा सकता। हमारे पूर्वजों ने वंश-परंपरा को चलाया और उनके कारण इस संसार में हमारा जन्म हुआ, यह उनका सबसे बड़ा एहसान है।

जन्म गरीबी में हुआ, अथवा अमीरी में, यह महत्वपूर्ण नहीं है। आपका जन्म हुआ, जीवन प्राप्त हुआ, यह महत्वपूर्ण है। इसलिए जीवन में माता-पिता को प्रेम और उनके लोक छोड़ जाने के पश्चात श्रद्धा का भाव व्यक्त किया जाता है और अपने पूर्वजों का सम्मान करने का सबसे उत्तम तरीका उन्हें नियमित श्रद्धांजलि देना ही है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

बारिश में ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

बारिश में सेहत का खास ख्याल रखने की जरुरत है। क्योंकि इस मौसम में पेट, त्वचा व दूसरे संक्रमण का खतरा सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना बढ़ जाता है। आयुर्वेद में सेहत के लिहाज से इस मौसम को अधिक तरजीह दी गई है। लोग संजीदा रहकर सेहत सुधार सकते हैं। आयुर्वेद विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश चंद दिनों की मेहमान होती है। पर, जगह-जगह जलभराव कई तरह की मुसीबत खड़ी कर देता है। मक्खी-मच्छर बढ़ जाते हैं। इससे मलेरिया, डेंगू जैसे घातक बीमारी हो सकती है। सेहत की सलामती के लिए संजीदा रहने की जरूरत है। थोड़ी से चूक सेहत के साथ मौसम के मजे को किरकिरा कर सकती है।

खान-पान का ध्यान- आयुर्वेद डॉक्टरों का मानना है कि खान-पान पर ध्यान देकर मौसम का लुत्फ उठा सकते हैं। जामुन, नाशपाती, अनार, सेब आदि का सेवन कर सकते हैं। रात में संतुलित भोजन लें। इससे पाचन क्षमता दुरुस्त रहती है। बारिश में नमी रहती है। ऐसे में खाने-पीने की वस्तुओं में आसानी से फंगल हो जाता है, जो सेहत पर भारी पड़ सकता है। लिहाजा ताजा और गर्म भोजन करना चाहिए।

भीगने से बचें- बारिश में भीगने से बचना चाहिए। यदि भीग गए हैं तो गीले कपड़े अधिक देर तक न पहने। शरीर को पंखे व कूलर की हवा में न सुखाएं। बरसात के दिनों में जोड़ों में दर्द, बुखार, संक्रमण, सर्दी और जुकाम समेत सांस फूलने की समस्या उभर सकती है।

तुलसी की चाय - डॉ. संजीव ने बताया कि इस मौसम में बुखार और संक्रमण से बचने के लिए तुलसी और अदरक की चाय पीनी चाहिए। दिन में दो से तीन बार चाय पीने से शरीर में रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है। अदरक और लहसुन की चटनी बनाकर भी खा सकते हैं। बच्चों को दिन में तीन बाद अदरक पीसकर उसमें शहद मिलाकर खिलाएं।

बदलें दाल- चना, अरहर, मसूढ आदि की दाल का सेवन कम करना चाहिए। मूंग की दाल पौष्टिक होती है। इसमें अमीनो एसिड अधिक होता है, जो शरीर के लिए अधिक उपयोगी होता है। जल्द ही पचती है। जबकि दूसरी दालें आसानी से नहीं पचती।

घरेलू नुस्खे

- तुलसी अदरक का सेवन करें
- गले में खराश होने पर काली मिर्च चूस कर पिएं
- गिलोय के रस का पिएं। रोगों से लड़ने की ताकत पैदा होगी
- शहद भी फायदेमंद

अतीत की परछाइयाँ...
पुपरी अनुमंडल का इतिहास- 2

नानपुर थी मिथिला राज्य की राजधानी

रामबाबू नीरव

वरिष्ठ साहित्यकार
पुपरी, सीतामढ़ी (बिहार)।

नानपुर सीतामढ़ी जिलान्तर्गत पुपरी अनुमंडल का एक प्रखंड है। यह पुपरी से लगभग 10 किलोमीटर दक्षिण दिशा में अवस्थित है। बहुत कम लोगों को जानकारी होगी कि एक जमाने में पुपरी अनुमंडल का यह छोटा सा गांव मिथिला राज्य की राजधानी थी। आइए, जानते हैं किसने स्थापित की नानपुर में मिथिला राज्य की राजधानी?

पिछले अंक में आप पढ़ चुके हैं कि दसवीं शताब्दी तक मिथिला राज्य विभिन्न राज्यों के अधीन रहा, यानि यहां से किसी खास वंश का आधिपत्य समाप्त हो चुका था।

मान्यता है कि नानपुर का नाम पूर्व में नान्यपुर था, जो बाद में बदलकर नानपुर हो गया। नानपुर (नान्यपुर) मिथिला की राजधानी कैसे बनी, इसकी कथा बहुत ही रोचक है। नेपाल के सिमरांवगढ़ में पाए गये स्तंभ तथा शिलालेख पर अंकित है कि राजा नान्यदेव ने श्रावण माह में शनिवार को सिंह लग्न, तिथि शुक्ल सप्तमी, स्वाति नक्षत्र में और शक संवत 1019 (10 जुलाई 1097ई०) में यह स्तंभ बनवाया। जिस स्तंभ के बारे में यह शिलालेख है, वह स्तंभ नेपाल के बारा जिला के एक नगर सिमरांवगढ़ (सिम्रौनगढ़ या सिम्रौनागढ़) में स्थापित है।

कर्नाट वंशीय क्षत्रिय राजा नान्यदेव ने जिस मिथिला राज्य की स्थापना उस राज्य में नेपाल का बारा जिला, प्रदेश संख्या- 2 तथा बिहार राज्य का समस्त तिरहुत प्रमंडल एवं कोशी प्रमंडल शामिल था। तिरहुत प्रमंडल में वर्तमान में छह जिले हैं - मुजफ्फरपुर, वैशाली, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण तथा पश्चिमी चम्पारण। तिरहुत प्रमंडल का मुख्यालय मुजफ्फरपुर है। कोशी प्रमंडल में तीन जिले हैं - सहरसा, सुपौल, और मधेपुरा। कोशी प्रमंडल का मुख्यालय सहरसा है। ये दोनों प्रमंडल वर्तमान में नेपाल की सीमा से जुड़े हुए हैं। वैसे तो कर्नाट वंश द्वारा स्थापित मिथिला राज्य की राजधानी नेपाल के बारा जिला में स्थित सिमरांवगढ़ (सिम्रौनगढ़ अथवा सिम्रौनागढ़) को अधिकारिक रूप से माना गया है, परंतु सिमरांवगढ़ में स्थित स्तंभ तथा नेपाली वंशावली में वर्णित अभिलेख में एक जगह मिथिला की राजधानी नान्यपुर लिखा हुआ है, जिससे प्रमाणित होता है कि कर्नाट वंश तथा मिथिला राज्य के संस्थापक राजा नान्यदेव ने अपने राज्य की प्रथम राजधानी नानपुर (नान्यपुर) में ही स्थापित की थी। उस काल में नानपुर (नान्यपुर) एक विकसित नगर रहा होगा। नानपुर के बड़े बुजुर्गों का कहना है कि आजादी से पूर्व तक नानपुर का नाम नान्यपुर ही था। अभी भी नानपुर में एक अति प्राचीन तालाब और तालाब के ऊपर एक विशाल डीह है। लोगों का मानना है कि इस डीह के भीतर कई रहस्य छुपे हैं। हो सकता है राजा नान्यदेव के काल की ही स्मृतियाँ छुपी हों। न तो आम नागरिकों का और न ही सरकार का ही ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है।

फ्रांसीसी इतिहासकार सिलावैन लेवी के अनुसार राजा नान्यदेव कर्नाटक से मिथिला में आए और उन्होंने दक्षिण भारत के चालुक्य वंशीय राजा परमादिदेव, जिन्होने स्वयं को चन्द्रगुप्त षष्टम् अथवा विक्रमादित्य षष्टम् घोषित किया था, के सहयोग से कर्नाट क्षत्रिय राजवंश की स्थापना की। माना जाता है कि कर्नाट वंशीय राजा नान्यदेव ने वर्तमान सीतामढ़ी जिलान्तर्गत नानपुर प्रखण्ड में अपनी मिथिला राज्य की प्रथम राजधानी स्थापित की, जिसका नाम उन्होंने अपने नाम पर नान्यपुर रखा। उन्होंने 1097 ई० में इस राज्य की स्थापना की। प्राप्त शिलालेखों के अनुसार राजा नान्यदेव ने यहां 1097 से लेकर 1147 तक यानि पूरे 50 वर्षों तक शासन किया। इस अवधि में ही उन्होंने मिथिला राज्य की दूसरी राजधानी वर्तमान नेपाल राष्ट्र के बारा जिलान्तर्गत सिमरांवगढ़, जिसे सिम्रौनगढ़ तथा सिम्रौनागढ़ भी कहा जाता है, को बनाया। सिमरांवगढ़ में राजा नान्यदेव देव द्वारा बनवाए गये किले, स्तूप तथा देवी/देवताओं की प्रतिमाओं के अवशेष आज भी विद्यमान हैं। नानपुर में भी उनके किले के अवशेष मौजूद हैं। कहा जाता है कि बाद में (संभवतः मुगल काल में) उसी किले में नानपुर के जागीरदार राजा मोहम्मद अली खां के पूर्वजों ने अपनी जागीर का मुख्यालय बनाया।

राजा नान्यदेव द्वारा मिथिला की राजधानी सिमरांवगढ़ स्थानांतरित करने के पश्चात भी उनका आना-जाना नानपुर में होता रहा। राजा नान्यदेव प्रतापी, साहसी, वीर योद्धा, उदार, न्याय प्रिय, प्रजा पालक साहित्य एवं कला प्रेमी राजा थे। कहा जाता है कि वे संगीत के आचार्य भी थे। उन्होंने संगीत की धुनों के साथ-साथ संस्कृत भाषा में कई पुस्तकों की रचना भी की। वे अन्य विद्वानों तथा कलाकारों को भी सम्मान के साथ-साथ राजाश्रय दिया करते थे। उनके शासन काल में नानपुर से उत्तर पश्चिम स्थित वर्तमान जानीपुर गांव विद्वानों तथा ज्ञानियों का गढ़ हुआ करता था, इसलिए उस गांव को ज्ञानीपुर कहा गया, जो बाद में जानीपुर के नाम से विख्यात हुआ। राजा नान्यदेव के समय को मिथिला का स्वर्णकाल माना गया है। मिथिला राज्य का एक उपनिवेश वर्तमान कोशी प्रमंडल का सहरसा जिला भी था। सहरसा जिला के राजपूत आज भी स्वयं को राजा नान्यदेव के वंशज मानते हैं। नान्यदेव के बाद मिथिला के राजा उनके पुत्र मल्लदेव बने। परंतु वे अक्षम्य राजा साबित हुए। इसलिए उनकी जगह राजकुमार गंग देव ने मिथिला की राजगद्दी संभाली और अपने पिता राजा नान्यदेव की तरह ही योग्य और कुशल प्रशासक साबित हुए। राजा गंग देव ने मधुबनी जिला के अंधराठाढ़ी प्रखण्ड में एक विशाल गढ़ बनवाया, जिसे गंगवार गढ़ के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में यह गंगद्वार के नाम से विख्यात है। राजा गंगदेव ने मिथिला में 1147 से 1187 यानि 40 वर्षों तक राज किया।

- कर्नाट राजवंश की वंशावली-

1. राजा नान्यदेव - कर्नाट वंश एवं मिथिला राज्य के संस्थापक (शासन काल-1097 से 1147 तक)।

2. मल्लदेव - इन्होंने कुछ महीने ही शासन किया और मिथिला की राजधानी भीठ भगवानपुर ले गये। मिथिला के गंधवरिया राजपूत
खुद को राजा मल्लदेव को अपना बीज पुरुष मानते हैं।

3. गंगदेव - 1147 ई० से 1187 ई० तक।

4. नरसिंह देव - पुण्य प्रताप में राजा नान्यदेव के बाद इनका ही नाम आता है। (कार्यकाल 1187 से 1225 ई० तक)।

5. रामसिंह देव - (1226 से 1296 ई० तक)। (रामसिंह देव के नावालिग रहने के कारण 1225 से 1226 ई० तक मिथिला राज्य को मंत्री परिषद् ने संभाला। पुनः 1296 से 1303 तक मंत्री परिषद् का शासन रहा।)

6. हरिसिंह देव -(1303 से 1325 ई० तक।)

हरिसिंह देव कर्नाट वंश के अंतिम राजा थे। इनके शासन काल में मुस्लिम आक्रांताओं का आक्रमण होने लगा। उसी समय दिल्ली के राजसिंहासन पर तुगलक वंश का संस्थापक गयासुद्दीन तुगलक बैठा। उसने दिल्ली के साथ-साथ उत्तर भारत पर 1320 से लेकर 1413 तक शासन किया। उसी दौरान तुगलक ने मिथिला राज्य पर आक्रमण कर दिया। गयासुद्दीन तुगलक की विशाल सेना के समक्ष हरिसिंह देव की मुट्ठी भर सेना भाग नहीं पायी। हरिसिंह देव तुगलक से हार गये। अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए हरिसिंह देव नेपाल के बीहड़ जंगल में जाकर छुप गये। हरिसिंह देव का मिथिला राज्य तत्कालीन संयुक्त प्रान्त (उस समय बिहार, बंगाल और उड़िसा को मिलाकर एक प्रान्त था, जिसे संयुक्त प्रान्त के नाम से जाना जाता था।) बाद के दिनों में कर्नाट वंश के द्वितीय राजा यानि राजा नान्यदेव के पुत्र मल्लदेव के वंशजों ने काठमांडू जाकर नेपाल में मल्ल राजवंश की स्थापना की। बाद के दिनों में उसी राजवंश के किसी प्रतापी राजा ने बेतिया राज्य की स्थापना की, जो आजादी के बाद तक अस्तित्व में रहा।

सरदार संतोष और खालिद पुनः बने प्रदेश उपाध्यक्ष

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी सरदार संतोष सिंह एक बार फिर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) में उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। उनके साथ-साथ बोकारो के ही खालिद खान को भी पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। सरदार संतोष ने इसके लिए संगठन के वरीय पदधारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी मिली है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झारखंड में मजबूत स्थिति में है और आने वाले दिनों में भी आईएनडीआईए की सरकार बननी तय है।

बोकारो डाकघर से अब विशेष डिब्बों में भेज सकेंगे अपने सामान, पैकेजिंग सेवा शुरू

संवाददाता

बोकारो : बदलते समय के साथ डाक विभाग की कार्यप्रणाली और इसके कार्य-क्षेत्र के दायरे में भी काफी बदलाव व बेहतरी आई है। इसी कड़ी में बोकारो स्टील सिटी के प्रधान डाकघर में विशेष डिब्बों में पार्सल पैकेजिंग की सुविधा शुरू की गई। अलग-अलग प्रकार के सामान के लिए उनके आकार के हिसाब से विभिन्न डिब्बों की व्यवस्था की गई है। उन डिब्बों में सामान की पैकेजिंग कर लोग उन्हें भेज सकते हैं। यानी यह सुविधा आरम्भ होने से अब पार्सल भेजने वाले उपभोक्ता यदि केवल सामान लेकर आते हैं तो डाकघर में उसे उनके सामने डिब्बे में पैक कर उसे बाहर कहीं भी पार्सल भेज सकते हैं। इस नई सुविधा की शुरूआत करते हुए बोकारो प्रधान डाकघर के विपणन पदाधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय ने बताया कि डाकघर के माध्यम से अब बाहर सामान भेजने के लिए यहां अलग-अलग साइज के कार्टन उपलब्ध हैं। उपभोक्ता यदि सिर्फ बाहर पार्सल भेजने वाली खुली सामग्री लेकर आते हैं तो डाकघर में अलग-अलग साइज में उपलब्ध कार्टन (बॉक्स) में यहीं उसकी पैकिंग कर भेज सकते हैं। यह नई सुविधा लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इस सुविधा की शुरूआत के मौके पर डाकपाल सतीश कुमार, विपणन पदाधिकारी कौशल कुमार उपाध्याय, विभागीय अधिकारी संतोष कुमार सिंह, देवी प्रसाद चटर्जी, देवेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, सिंधु कुमारी, विशाल शर्मा, शिव किरण आदि मौजूद रहे। पार्सल कराने पहुंचे ग्राहकों ने डाक विभाग के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे खुले सामान अब सुरक्षित भेज पाने में लोगों को काफी सुविधाएं होंगी।

Affidavit

I, **TANYA GUPTA**, D/o Ajay Gupta, R/o- Flat No.- 409, Laxminarayan Niwas, Near Shopping Center, Co-operative Colony, P.O. & P.S.- B. S. City, District - Bokaro, Jharkhand- 827001 declare before the Notary Public Bokaro (vide Affidavit No. - 3057/27.09.23) that I was known and called as Tanya, which is mentioned in my passport. I have changed my name as Tanya Gupta, which is mentioned in my Bank Account of State Bank of India vide A/c No. 20181308870. **TANYA GUPTA** and **TANYA** is the name of same and one identical lady i.e. myself.

पेज- एक का शेष

जैसी करनी, वैसी भरनी...

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि बोकारो में उनकी पोस्टिंग के दौरान इसी साल 27 जून को बोकारो में खुदरा शराब दुकानों का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान टीम को तीन दुकानों में नकली शराब मिली थी। जिसे कि बेचने के लिए दुकान में रखा गया था। इस संबंध में सहायक आयुक्त अरविंद कुजूर को दो बार स्पष्टीकरण देने का मौका दिया गया, लेकिन दोनों ही बार उनका उत्तर संतोषजनक नहीं था। इसके बाद विभाग ने कार्रवाई की और कुजूर को सस्पेंड कर दिया। हालांकि, प्राप्त जानकारी के अनुसार कुजूर निलंबन की अवधि में प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, दुमका में सेवाएं देंगे। बता दें कि अरविंद कुजूर पर पहले भी आरोप लग चुके हैं। मार्च 2024 में एसीबी की टीम ने दारोगा विश्वनाथ और पुलिसकर्मी रामलखन राय को रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया था। उस समय दोनों आरोपियों ने अपने बयान में कहा था कि उन्होंने सहायक उत्पाद आयुक्त कुजूर के कहने पर 40 हजार रुपये घूस लिये थे।

'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय...'

हाल-ए-पाकिस्तान : खुद के पाले गए आतंकी आज बन रहे आत्मघाती

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : किसी ने सच ही कहा है- बोया पेड़ बबूल का तो आम कहां से होय। दूसरों के लिए जो गड्ढा खोदता है, वही कभी न कभी खुद उसके लिए ही खतरनाक और नुकसानदायक हो जाता है। यही हाल इन दिनों भूख और बेतहाशा गरीबी से जूझ रहे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का है। उसके खुद के पाले-पासे गए आतंकी आज खुद उसी के लिए आत्मघाती साबित हो रहे हैं। अब जिस देश की बुनियाद ही नफरत पर टिकी है, वहां अशांति तो आम है। एक बार फिर पाकिस्तान आतंकी हमले से दहल उठा है। बलूचिस्तान में मस्तुंग शहर की एक मस्जिद के पास शुक्रवार को सुसाइड ब्लास्ट हुआ। हमले के समय लोग ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के जुलूस के लिए इकट्ठा हो रहे थे। खबरों के अनुसार, धमाके में घायल हुए एक चश्मदीद ने कहा था कि वह जुलूस के पास ही गुजर रहा था, तभी धमाका हो गया। वह बेहोश हो गया। जैसे ही उसे होश आया, अफरा-तफरी मची हुई थी। उसके आस-पास लाशें बिखरी थीं। बता दें कि इस विस्फोट में डीएसपी समेत

58 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। एक अन्य धमाका खैबर पख्तूनवा के हंगू शहर की मस्जिद में हुआ। ये भी फिदायीन हमला था। पाकिस्तानी मीडिया न्यूज इंटरनेशनल के मुताबिक यहां एक पुलिस अफसर समेत 4 लोगों की मौत हो गई। बलूचिस्तान के चीफ मिनिस्टर ने पूरे प्रांत में तीन दिन के शोक का ऐलान किया। हमले को बलूचिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन टीटीपी ने कहा है कि इस विस्फोट के पीछे उनका हाथ नहीं है। हमारा मकसद साफ है कि हम मस्जिद और लोगों की भीड़ को निशाना नहीं बनाते हैं। उन्होंने इस हमले की निंदा की है। मस्तुंग शहर के असिस्टेंट कमिश्नर ने बताया कि ब्लास्ट नवाज गिशकोरी की कार के पास हुआ।

जियो न्यूज के मुताबिक हमले में जिस पुलिस ऑफिसर की मौत हुई है, वो डीएसपी नवाज ही हैं। बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जन अचकजई ने बताया कि सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया है। जरूरत पड़ी तो उन्हें कराची शिफ्ट किया जाएगा। घायलों के इलाज की पूरी जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। बलूचिस्तान के कार्यवाहक सूचना मंत्री जन अचकजई ने कहा- हमारे दुश्मन विदेशी ताकतों की मदद से बलूचिस्तान में धार्मिक जगहों को निशाना बनाकर शांति भंग करना चाहते हैं। इस तरह के हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। बलूचिस्तान में सरकार के मंत्रियों और दूसरे कई नेताओं ने हमले की निंदा की है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के आम नागरिक इन घटनाओं डरे हुए हैं।

बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी की हुकूमत

दरअसल, बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी की हुकूमत चलती है। यह संगठन पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है। बलूचिस्तान के नागरिक 1947-1948 से ही खुद को पाकिस्तान का हिस्सा नहीं मानते। इसके बावजूद ये प्रांत किसी तरह पाकिस्तान के नक्शे पर मौजूद रहा। इन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता रहा।

अब तो समझें हुक्मरान

अपने यहां आम तौर पर कहा जाता है कि गलत राह पर चलकर कभी भी सही मंजिल पर पहुंच पाना नामुमकिन है। अपने पड़ोसी भारत के कश्मीर में आजादी के नारे लगवाने में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहे और घुसपैठ के जरिए लगातार आतंकी हमलों को अंजाम दे रहे पाकिस्तान को उसकी करनी की ही सजा मिल रही है। जिस तरह से अब पाकिस्तान में बंटवारे की आग धधक चुकी है, वह हिंसक होता चला जा रहा है। ऐसे में पाकिस्तानी हुक्मरानों को सोचना होगा। अब भी अगर नहीं सुधरे, तो खुद की लगाई आग में पाक खुद जल जाएगा। वैसे भी कहते हैं- जिनके घर शीशे के होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं मारते। कभी पत्थरबाजों के पनहगार पाकिस्तानी शासक को यह बात भली-भांति समझनी होगी।

झारखंड के सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक 'मिथिला वर्णन' के स्थापना दिवस एवं गांधी जयंती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

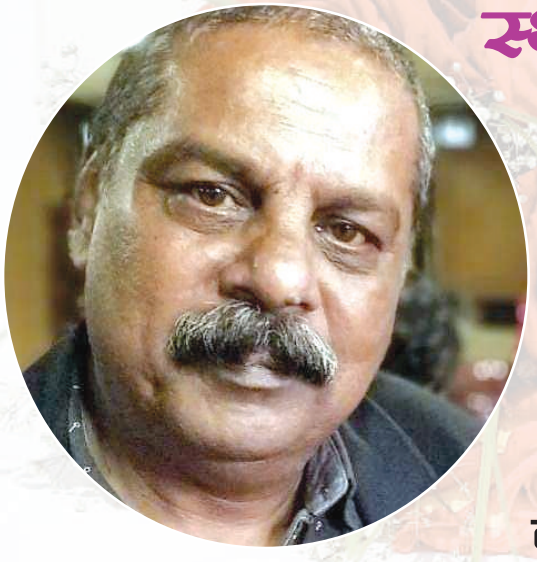

कुमार अमरदीप
अध्यक्ष
गुड मॉर्निंग क्लब -सह-
वरिष्ठ समाजसेवी, बोकारो।

'मिथिला वर्णन' के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

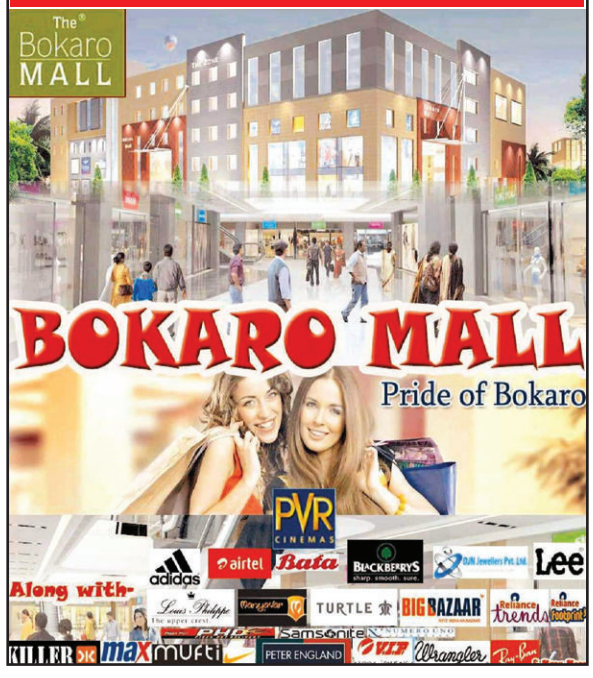

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)